Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-501

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

B.A. Darshan, Semester : Fifth
दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम
वेदान्त दर्शन-प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वेदान्तदर्शनानुसार स्वतन्त्र प्रकृति कारणवाद का निराकरण करें।
2. जीवात्मा के परिमाण के संदर्भ में वेदान्त मत को प्रस्तुत करें।
3. "उपनिषदों में वर्णित आनन्दमय आदि शब्दों से ब्रह्म ही अभिधेय है" प्रस्तुत तथ्य को ब्रह्मसूत्रानुसार सिद्ध करें।
4. ब्रह्म में पूर्वपक्ष द्वारा आरोपित विषमता एवं निर्दयता रूपी दोष का प्रमाणपूर्वक परिहार करें।
5. वेदान्तदर्शनानुसार जगद् के प्रति ब्रह्म की निमित्त कारणता को सिद्ध करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. जीवात्मा एवं परमात्मा के बीच सम्बन्ध का उल्लेख करें।
7. "अत्ताचराचरग्रहणात्" प्रस्तुत सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
8. ब्रह्मसूत्रानुसार क्षणिकवाद का निराकरण करें।
9. "आनन्दमयोऽभ्यासात्" सूत्र का सविस्तार वर्णन करें।
10. प्राण की उत्पत्ति एवं स्वरूप का वेदान्तदर्शनानुसार उल्लेख करें।
11. वेदान्तदर्शनानुसार जीवात्मा के कर्त्तव्य एवं अकर्तृत्व धर्मों का वर्णन करें।
12. वेदान्तदर्शन के विषय-वस्तु का उल्लेख करें।

----------X----------